प्रेस विज्ञप्ति

अच्छे स्वास्थ्य से आएगी, प्रदेश में समृद्धि ... मुख्यमंत्री

रायपुर, 16 मई : मुख्यमंत्री डॉ. रमनसिंह ने कहा कि स्वस्थ छत्तीसगढ़ के बिना समृद्ध छत्तीसगढ़ की कल्पना भी नहीं की जा सकती। राज्य में सिकिलसेल, कुपोषण जैसी अनेक बीमारियाँ चिकित्सकों के आगे चुनौती बनकर खड़ी हुई है। कुपोषण जैसी समस्या को दूर करने के लिए उनकी सरकार खास ध्यान दे रही है तथा इसे वर्ष 2013 तक खत्म करने का लक्ष्य रखा है। वह स्वयं इस कार्यक्रम की मानिटरिंग कर रहे हैं।

डॉ. रमनसिंह कल प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के मेडिकल विंग और इण्डियन मेडिकल एसोसिएशन (आई. एम. ए.) द्वारा संयुक्त रूप से शान्ति सरोवर में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने आई.एम.ए. की नई कार्यकारिणी को अपनी शुभकामनाएँ देते हुए आशा व्यक्त की कि यह संगठन स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में अपेक्षित सुधार लाने में सफल होगा।

उन्होंने चिकित्सकों से नक्सल प्रभावित नारायणपुर, बीजापुर आदि दूरस्थ अंचल में काम करने की जरूरत पर बल देते हुए बतलाया कि पिछले दिनों चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने पाया कि सस्ते चावल, गेंहूँ, नमक वितरण से भी ज्यादा संजीवनी 108 लोकप्रिय हो रही है। आज सभी की जुबान पर यही नाम सुनाई देता है। इसलिए अब इसे पूरे राज्य में शुरू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाने में आई. एम. ए. की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसलिए आई.एम.ए. के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को अपनी गरिमा के अनुरूप चिकित्सकीय दायित्वों का निर्वाह करना होगा। इसके लिए आई. एम. ए. को चिकित्सकों के लिए जवाबदारी तय करनी चाहिए।

मुम्बई के जाने-माने कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. अशोक मेहता ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा के क्षेत्र में मानवीय मूल्यों को समाहित करने की जरूरत है। उन्होंने बतलाया कि माइण्ड, बॉडी एण्ड मेडिसीन का एक दूसरे से परस्पर सम्बन्ध है। उन्होंने हाईपर टेन्शन, कोरोनरी हार्ट डिसीज आदि रोगों की चर्चा करते हुए कहा कि इनको ठीक करने के लिए लाईफ स्टाईल में बदलाव लाने की जरूरत है। चिकित्सकों को उन्होंने स्वयं भी राजयोग मेडिटेशन करने की आवश्यकता बतलाई।

ब्रह्माकुमारी संगठन के इन्दौर जोन के क्षेत्रीय निदेशक एवं मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष ब्रह्माकुमार ओमप्रकाश ने कहा कि नकारात्मक विचारों का बहुत ही बुरा प्रभाव हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है। हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कम हो जाती है। इसलिए स्वास्थ्य को अच्छा बनाने के लिए राजयोग का अभ्यास सभी के लिए अत्यन्त उपयोगी है। उन्होंने आई. एम. ए. के पदाधिकारियों से राज्य में नशामुक्ति के पक्ष में कार्य करने पर जोर दिया।

समारोह को आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री डॉ. ए. टी. दाबके, आई.एम.ए. के पूर्व अध्यक्ष डॉ. संदीप दवे, डॉ. अनिल वर्मा, ब्रह्माकुमारी कमला बहन आदि ने भी सम्बोधित किया। पूर्व प्रान्ताध्यक्ष डॉ. अनूप वर्मा ने आई. एम. ए. की रायपुर ईकाई के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई।